B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-30/09/2020

TOPIC- बिहार में भारत छोड़ो आंदोलन(1942 ई.)

{(QUIT INDIA MOVEMENT (1942 AD) IN BIHAR}

Part-1

Scanned with CamScanner

बिहार में भारत छोड़ो आंदोलन

अंग्रेजों का भारत छोड़ने संबंधी प्रस्ताव, गाँधीजी सहित बड़े नेताओं की गिरफ्तारी
कांग्रेस तथा प्रांतीय कांग्रेस कमेटियों को उसकी शाखाओं सहित सभी अंगों को गैरकानूनी
घोषित कर प्रतिबंध लगा दिए जाने से पूरे बिहार में उत्तेजना फैल गयी। इस
उत्तेजक माहौल में जिलाधिकारी डब्लू० जी० आर्चर एवं राजेन्द्र प्रसाद को गिरफ्तार
करने सदाकत आश्रम पहुँच गया। राजेन्द्र प्रसाद अस्वस्थ थे फिर भी उन्हें बांकीपुर
जेल ले जाया गया। फूलन प्रसाद वर्मा, मथुरा प्रसाद, श्रीकृष्ण सिंह, कृष्णवल्लभ सहाय
अनुग्रह नारायण सिंह सहित बिहार के सभी बड़े नेताओं को भी गिरफ्तार कर
लिया गया। गिरफ्तारी के विरोध में पटना, गया, भागलपुर, राँची, छपरा, पूर्णियाँ
मुजफ्फरपुर, मुंगेर, चंपारण, हजारीबाग सहित गाँव कस्बों तक में हड़ताल रखी
गयी। जनता की ओर से जुलूस निकाले गए। सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक
संपत्तियों को नुकसान पहुँचाया जाने लगा।

भारत छोड़ो आंदोलन बिहार में कई चरणों से गुजरा। सभी चरण में जनता की समर्पित
भागीदारी रही थी। अगस्त क्रांति में बिहार के सभी वर्गों के सदस्यों ने आत्माहुति दी
थी और आत्माहुति का लक्ष्य देश के लिए संपूर्ण स्वतंत्रता को प्राप्त करना था।

पटना

पटना में छात्रों में जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई। राजेन्द्र प्रसाद की गिरफ्तारी की
सूचना मिलते ही पटना के छात्रों ने एक विशाल जुलूस निकाला। पटना के स्कूल और
कॉलेजों में पूरी हड़ताल रखी गई। स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित जितने भी संस्थाएँ थीं,
सभी पर उसकी शाखाएँ सहित गैरकानूनी घोषित कर प्रतिबंध लगा दिया। कई स्थानों
पर राष्ट्रीय झंडा फहराए गए। कई स्थानों सभा आयोजित किए गए। आगजनी
तोड़फोड़, छात्रों और पुलिस की झड़प से स्थिति गंभीर होती चली गई। दफ्तरों के
लोग छात्रों को प्रोत्साहित कर रहे थे। पटना के आस-पास के कस्बों से हजारों
मसौढ़ी, बख्तियारपुर, नौबतपुर, खगौल, बिहटा, मनेर, विक्रमगंज के साथ भी
पटना पहुँचने लगे।

पटना सचिवालय गोलीकांड

पटना और उसके आस-पास के क्षेत्र से आए छात्रों ने 11 अगस्त 1942 ई० को
उग्र प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। पटना मेडिकल कॉलेज परिसर तथा सिविल कोर्ट
पर राष्ट्रीय झंडा फहरा दिया। छात्रों और पुलिस में कई स्थानों पर झड़प हुए।

Scanned with CamScanner

सरकारी तंत्र को आंदोलनकारियों को रोकने मुश्किल सा हो गया था। छात्रों का जुलूस सचिवालय की ओर बढ़ता गया। लाठी तथा गिरफ्तारी भी उन्हें रोक नहीं सकी। छात्र सचिवालय भवन पर राष्ट्रीय झंडा फहराने के लिए कृत संकल्प थे। दो बजे के करीब वे सचिवालय परिसर तक पहुँच भी गए। सवा दो बजे के लगभग पूर्वी फाटक पर राष्ट्रीय झंडा फहरा दिया। सचिवालय भवन पर झंडा फहराने के लिए प्रयास करते रहे। इस दौरान 6 छात्र भी गिरफ्तार भी हुए परंतु उनके संकल्प को वो तोड़ नहीं पाए। परंतु संध्या 4:54 मिनट पुलिस ने जिलाधिकारी आर्थर के आदेश पर छात्रों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। सात छात्र घटना स्थल पर ही शहीद हो गए और लगभग 45 गंभीर रूप से घायल हो गए।

Pankaj
30/09/2020

Scanned with CamScanner